जलकर राहत योजनाः उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने डोर-टू-डोर संपर्क अभियान जारी

निगम एवं जोन कार्यालय सहित शिविरों में पहुंचकर 143 उपभोक्ताओं ने लिया 50 प्रतिशत छूट का लाभ

» बकाया जमा नहीं करने पर 10 नल कनेक्शन विच्छेदित

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा बकायेदार जलकर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित जलकर राहत योजना का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचाने के लिए डोर-टू-डोर संपर्क एवं जागरूकता अभियान लगातार जारी है।

निगम की टीमों द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं से संपर्क कर उन्हें योजना के तहत उपलब्ध 50 प्रतिशत छूट का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।योजना के तहत उपभोक्ताओं को बकाया जलकर की राशि का 50 प्रतिशत एकमुश्त जमा करने पर शेष 50 प्रतिशत राशि की छूट का लाभ दिया जा रहा है। निगम कार्यालय सहित विभिन्न काउंटरों एवं निर्धारित माध्यमों से बुधवार को 143 उपभोक्ताओं द्वारा योजना का लाभ लेते हुए बकाया जलकर राशि जमा कर छूट प्राप्त की गई। निगम द्वारा लगातार उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देकर समय सीमा के भीतर बकाया जलकर जमा करने की अपील की जा रही है। इसके बावजूद ऐसे बकायेदार उपभोक्ता, जिन्हें योजना का लाभ लेने की जानकारी दिए जाने के बाद भी बकाया राशि जमा नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है।

इसी क्रम में बुधवार को 10 बकायेदार उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन विच्छेदित किए गए हैं।निगम प्रशासन ने समस्त बकायेदार जलकर उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे योजना का लाभ उठाकर बकाया जलकर की 50 प्रतिशत राशि एकमुश्त जमा करें और शेष 50 प्रतिशत की छूट प्राप्त करें। इससे उपभोक्ताओं को बकाया राशि के भार से राहत मिलने के साथ ही निगम की जल प्रदाय व्यवस्था को बेहतर बनाने में भी सहयोग मिलेगा।

रामपुर बघेलान में भाजयुमो ने पेश की मानवता की मिसाल

10 गांवों के बाढ़ पीड़ितों को घर-घर पहुंचाई राशन सामग्री

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

रामपुर बघेलान क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉ. यश यादव की टीम ने बृहद सेवा अभियान चलाकर पीड़ित परिवारों तक राहत पहुंचाई। टीम ने बरदाडीह, गजीगवा, गढ़वा कला, रेहुटा, किचबरिया, रजरवार, इटौर, मैनपुरा सहित 8 से 10 प्रभावित गांवों का दौरा किया। भाजयुमो ने सबसे पहले गांव-गांव जाकर सर्वे किया। सर्वे में उन परिवारों को चिन्हित किया गया जिनके घर बाढ़ में पूरी तरह प्रभावित हुए हैं और जो भोजन व वस्त्र के संकट से जूझ रहे हैं। इसके बाद टीम ने पीड़ितों को बुलाकर और घर-घर जाकर राहत सामग्री का वितरण किया।

राहत किट में खाद्य सामग्री के रूप में चावल, दाल, आटा, सब्जी, तेल, मसाला और दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल रहीं। इसके साथ ही परिवारों को रहने के लिए चटाई, त्रिपाल, रेनकोट और वस्त्र किट भी प्रदान की गई, ताकि बरसात में उन्हें सुरक्षित आश्रय मिल सके। डॉ. यश यादव ने कहा, ÷संकट की इस घड़ी में भारतीय जनता युवा मोर्चा पूरी संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ हर पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी परिवार भूखा न रहे और हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचे। यह सेवा अभियान आगे भी जारी रहेगा।

प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी का नाम हटाना राजनीति से प्रेरितः अजय सिंह

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने और उससे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाने के फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इसे एक राजनीतिक विद्वेष से भरा कदम बताया है और सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि केवल नाम बदल देने से इतिहास के पन्नों और जनता के दिलों से राजीव गांधी जी के योगदान को मिटाया नहीं जा सकता।

अजय सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा सरकार ने एक सुनियोजित साजिश के तहत ही राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने का प्रपंच रचा है, ताकि देश के महान नेता का नाम इस प्रतिष्ठित संस्थान से विलोपित किया जा सके। उन्होंने भारत के आधुनिक विकास में राजीव गांधी के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि देश में कंप्यूटर तकनीक और आधुनिक प्रौद्योगिकी को लाने का पूरा श्रेय राजीव गांधी जी को जाता है। उन्होंने ही भारत में कंप्यूटर युग की शुरुआत की थी, जिसने आज हमारे देश को वैश्विक स्तर पर एक आईटी महाशक्ति के रूप में स्थापित किया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनका यह योगदान अविस्मरणीय है और इसके लिए देश उन्हें हमेशा याद रखेगा। अजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार जनहित के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की नाम बदलने की राजनीति कर रही है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर नगर निगम की व्यवस्थाओं को लेकर निगमायुक्त ने जारी किया आदेश

मंदिरों के आसपास साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल एवं अग्निशमन की रहेगी विशेष व्यवस्था

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर शुक्रवार 4 सितंबर 2026, को शाम 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक श्री सत्यनारायण मंदिर एवं नगर के अन्य श्रीकृष्ण मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे।

नगर निगम आयुक्त श्रीमती हरसिमरनप्रीत कौर आई.ए.एस. द्वारा जन्माष्टमी पर्व पर नगर में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों को दृष्टिगत रखते हुए एक आदेश जारी कर निगम से संबंधित आवश्यक व्यवस्था को समय पर पूरा करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है। निगमायुक्त श्रीमती कौर द्वारा जारी आदेशानुसार जन्माष्टमी पर्व पर श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री सत्यनारायण मंदिर, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, गोविंद देव जी मंदिर, मधई मंदिर सहित अन्य मंदिरों के आसपास सड़क एवं गड्ढों की मरम्मत कर आवागमन सुगम बनाने की व्यवस्था का दायित्व कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा के साथ सहायक यंत्री अनिल जायसवाल, सुनील सिंह एवं क्षेत्रीय उपर्यत्रियों को दायित्व सौंपा गया है।

सफाई व्यवस्था पर रहेगा विशेष फोकसःपर्व के दौरान मंदिरों के आसपास विशेष साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही आयोजन एवं मंदिर समितियों से समन्वय कर पर्याप्त संख्या में डस्टबिन की व्यवस्था कराने के साथ ही सार्वजनिक स्थलों की सतत निगरानी कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी को दिए गए है।

प्रकाश एवं पेयजल की भी रहेगी व्यवस्थाःश्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षित आवागमन के लिए जन्माष्टमी आयोजन वाले मंदिरों के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का दायित्व कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, सहित सहायक यंत्री आदेश जैन एवं मोना करेरा को सौंपा गया हे। जबकि आयोजन एवं मंदिर समितियों से समन्वय कर कार्यक्रम स्थलों पर शुद्ध पेयजल हेतु पानी के टैंकर उपलब्ध कराने की कार्यवाही सहायक यंत्री मृदुल श्रीवास्तव एवं उनकी टीम द्वारा की जायेगी।

अग्निशमन वाहन रहेगा तैनातः निगमायुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक, कटनी के पत्र के अनुसार 4 सितंबर को शाम 4 बजे से एक अग्निशमन वाहन की उपलब्धता थाना कोतवाली में सुनिश्चित करने के निर्देश प्रभारी फायर नियंत्रण अधिकारी मृदुल श्रीवास्तव एवं प्र.सहायक फायर नियंत्रण अधिकारी शैलेन्द्र दुबे को दिए है। नगर निगम आयुक्त श्रीमती कौर ने जारी आदेश में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय-सीमा में पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में 9 सितंबर से मनाया जाएगा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण, देखभाल एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास से संबंधित सेवाओं को सुदृढ़ करने, समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा पोषण सेवाओं के प्रति सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत 9 सितंबर से 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026 आयोजित किया जाएगा।

जिले में इस अभियान के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने महिला एवं बाल विकास को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये हैं। राष्ट्रीय पोषण माह का राज्य स्तरीय शुभारंभ 9 सितंबर को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में प्रस्तावित राष्ट्रीय शुभारंभ समारोह के बाद किया जाएगा। इस वर्ष पोषण माह की मुख्य थीम हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी निर्धारित की गई है।

हल्द्वानी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद 'शुद्धिकरण' पर टीकमगढ़ कांग्रेस का हल्लाबोल, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

राहुल गांधी पर दर्ज प्रकरण वापस लेने और कथित जातिवादी कृत्य के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

पीपुल्स प्रवक्ता टीकमगढ़।

हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद कथित रूप से किए गए 'शुद्धिकरण' को लेकर टीकमगढ़ कांग्रेस ने बुधवार को जोरदार विरोध दर्ज कराया। विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी टीकमगढ़ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर मामले में कठोर कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि एक वरिष्ठ दलित नेता के कार्यक्रम स्थल का कथित 'शुद्धिकरण' किया जाना जातिवादी मानसिकता और सामाजिक भेदभाव को दर्शाता है। कांग्रेस ने इस घटना को सामाजिक सौहार्द, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए दोषियों के विरुद्ध कानून के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि घटना के विरोध में आवाज उठाने वाले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ उत्तराखंड में राजनीतिक प्रतिशोध के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति से मांग की कि राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज कथित राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रकरणों को तत्काल निरस्त किया जाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विपक्ष के शीर्ष नेताओं के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने राष्ट्रपति से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित राज्य सरकार एवं गृह मंत्रालय को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान एवं ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारीगौरव शर्मा,पंकज अहिरवार,सुनील अहिरवार,रवि लोधी,संजय नायक, पूनम रजनी जेशवाल, सुधीर बाजाज़,रानू मिश्रा,फरीद खान, प्रत्यूष पाठक,अनीस खान, डॉक्टर इसरार खान, व्यास, सहित काफी शंख्या में मौजूद रहे।

दिगौड़ा में दर्दनाक हादसाः मां और 2 साल के मासूम बेटे की मौत, फांसी लगाने का परिजनों ने किया दावा

» पूनौल गांव में घर के अंदर मिले दोनों के शव, परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे; पुलिस जांच में जुटी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

पीपुल्स प्रवक्ता टीकमगढ़।

दिगौड़ा थाना क्षेत्र के पूनौल गांव में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 29 वर्षीय महिला संजना पत्नी भूपेंद्र दांगी और उसके दो वर्षीय बेटे युवराज सिंह की मौत हो गई। परिजन दोनों को आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों का दावा है कि महिला ने अपने मासूम बेटे के साथ फांसी लगाकर आत्महत्या की है। हालांकि, पुलिस ने घटना के कारणों की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है। घर के अंदर मां-बेटे को फंदे पर देखामहिला के पति भूपेंद्र के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 11ः30 बजे वह अपने दोस्त के साथ घर पहुंचा था। पत्नी ने चाय बनाई और बेटे को तैयार कर रही थी। चाय पीने के बाद वह करीब 12 बजे दोस्त के साथ घर से बाहर चला गया। इस दौरान उसके पिता आसपास बैठे थे, जबकि मां घर के अन्य कामों में व्यस्त थी। करीब 1 बजे जब महिला की सास घर के अंदर गई तो संजना अपने बेटे के साथ फंदे पर लटकी मिली। चीख-पुकार सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे। परिजनों के अनुसार, उस समय बच्चे की सांसें चल रही थीं। दोनों को फंदे से नीचे उतारकर तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

एक सप्ताह से खराब थी महिला की तबीयत

परिजनों ने बताया कि संजना की तबीयत करीब एक सप्ताह से खराब थी। उसका टीकमगढ़ और झांसी में डॉक्टरों से इलाज भी कराया गया था। परिजनों के मुताबिक, कुछ लोगों ने उसकी परेशानी को लेकर झाड़-फूंक कराने की सलाह दी थी, जिसके बाद आसपास झाड़-फूंक भी कराई गई थी। पुलिस बोली–पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा मौत का कारण दिगौड़ा थाना प्रभारी मनीष मिश्रा ने बताया कि पूनौल गांव में 29 वर्षीय संजना और उसके दो वर्षीय बेटे युवराज की मौत की सूचना मिली है। परिवार दोनों को सीधे जिला अस्पताल लेकर पहुंचा था और घटना की सूचना पुलिस को बाद में मिली।

जानकारी मिलते ही पुलिस टीम टीकमगढ़ पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मां-बेटे का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। वहीं, संजना के मायके पक्ष के लोगों के पहुंचने के बाद मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

नगर पालिका टीकमगढ़ अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी

29 सितंबर को होगा मतदान, 3 अक्टूबर को मतगणना

पीपुल्स प्रवक्ता टीकमगढ़।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर पालिका परिषद टीकमगढ़ के अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन वर्ष-2026 के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन एवं नाम-निर्देशन पत्र आमंत्रित करने संबंधी सूचना 8 सितंबर 2026 को प्रातः 10:30 बजे से जारी की जाएगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) 16 सितंबर 2026 को प्रातः 10:30 बजे से की जाएगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 18 सितंबर 2026 निर्धारित है। इसी दिन अभ्यर्थिता से नाम वापसी के ठीक बाद निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन किया जाएगा। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक होने पर 29 सितंबर 2026 को प्रातः 7 बजे से अपराह्न 5 बजे तक मतदान कराया जाएगा। इसके बाद 3 अक्टूबर 2026 को प्रातः 9 बजे से मतगणना एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा की जाएगी।

51 लाख की धन राशि से बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री बांटने को संकल्पित हुआ श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट

जिला प्रशासन को सौंपा बाढ़ राहत संकल्प पत्र

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

चित्रकूट में लगातार चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से चित्रकूट की मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ से लोगों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है बाढ़ ने चित्रकूट में अपना कहर बहुत ही भयानक बरसाया है। घरों, दुकानों, मठ मंदिरों में पानी भर गया है या फिर बाढ़ में सारा समान बह गया है । बाढ़ से कई घर परिवार गांव एवं धर्म नगरी के विभिन्न क्षेत्र प्रभावित हुए है चारों तरफ बाढ़ से त्राहिमाम त्राहिमाम मचा हुआ है। जिसको देखते हुए।संत रणछोड़ दास जी महाराज द्वारा संस्थापित श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट एवं रघुवीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विशद भाई मफतलाल ने चित्रकूट में बाढ़ की विषम परिस्थिति को देखते हुए सारे ट्रस्टियों से चर्चाकर करके उन्होंने ये निर्णय लिया की इस भीषण परिस्थिति में हम सबको बाढ़ पीड़ितों की प्रशासन के साथ मिलकर मदद करनी है जिसमें उन्होंने निर्णय लिया की बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 51 लाख धन राशि से बाढ़ पीड़ितों के लिए राशन सामग्री, कपड़े,दवाइयां ,शुद्ध पेयजल सहित अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री देकर उनकी मदद की जायेगी।

वही विशद भाई मफ़त लाल ने ट्रस्ट की ओर से जो बाढ़ पीड़ितों की राहत के लिए 51 लाख की धनराशि से राहत सामग्री वितरण करने के लिए संकल्पित हुआ है उसके लिए उन्होंने ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं निर्देशक डॉक्टर इलेश जैन को निर्देशित किया था कि ट्रस्ट की ओर जिला प्रशासन को एक संकल्प पत्र सौंपकर अवगत कराने को कहा था साथ ही ये कहा कि जिला प्रशासन और पीड़ितों के लिए ट्रस्ट हमेशा साथ खड़ा है। जिस पर डॉ इलेश जैन ने रीवा संभाग आयुक्त शैलेन्द्र को संकल्प पत्र सौंपते हुए अवगत कराया की संस्था 51 लाख रुपए की राशि से बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री देने के लिए पूरी तरह संकल्पित है साथ उन्होंने ट्रस्ट की ओर से आयुक्त महोदय और जिला कलेक्टर सतना डॉ सतीश कुमार एस से निवेदन करते हुए कहा कि श्री सदुरु सेवा संघ ट्रस्ट एवं रघुवीर मंदिर ट्रस्ट जिला प्रशासन नगर परिषद एवं बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में कार्यरत अन्य सहयोगी कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बाढ़ प्रभावित लोगों की सेवा एवं राहत कार्यों में निरंतर जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट एवं रघुवीर मंदिर ट्रस्ट की टीम निरंतर 4 दिनों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों को लंच पैकेट, राशन किट,दवा की किट,हाइजीन किट, कपड़ों की

कीट,शुद्ध पेयजल, कम्बल पन्नी, मोमबत्ती माचिस आदि दैनिक उपयोग की सामग्री पहुंचाने का काम कर रही है।साथ ही उन्होंने बताया कि अब बाढ़ से पीड़ित छोटे बच्चों, बच्चियों, महिलाओं सहित पुरुषों के लिए कपड़े भी ट्रस्ट द्वारा वितरित करने का काम किया जायेगा।

समय-सीमा बैठक में अनुपस्थित रहने पर रीठी बीईओ और कृषि उपज मंडी सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित होने वाली समय-सीमा बैठक में बिना अनुमति एवं पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने रीठी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री इसहॉक मिंज और कृषि उपज मंडी कटनी के सचिव श्री मनीष मंडावी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों अधिकारियों से 7 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाली समय-सीमा बैठक में जिले में संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं, विभागीय कार्यों, सीएम हेल्पलाइन तथा टीएल में दर्ज पत्रों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की जाती है।

ऐसे में संबंधित अधिकारियों की बैठक में नियमित उपस्थिति को उनके विभागीय दायित्वों का महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। बीते सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में दोनों अधिकारी बिना अनुमति एवं पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। कलेक्टर श्री तिवारी ने उनकी अनुपस्थिति को निर्देशों की अवहेलना, पदीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता तथा शासन के कार्यों के प्रति लापरवाही माना है।

जारी कारण बताओ नोटिस में कलेक्टर श्री तिवारी ने उल्लेख किया है कि दोनों अधिकारियों का उक्त कृत्य लोकसेवक पद के अपेक्षित आचरण के विपरीत है तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 का उल्लंघन है। अधिकारियों को नोटिस प्राप्त होने के 7 दिवस के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में संतोषप्रद जवाब प्राप्त नहीं होने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।